❶ ओ३म् कृण्वन्तो विश्वमार्यम्
साप्ताहिक
आर्य सन्देश
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का मुखपत्र

मा विभेर्न मरिष्यसि।।
अथर्व. 5/30/8
हे आत्मन्! डर मत, तू मरेगा नहीं।
O soul! be not araid ! you will not die.

वर्ष 41, अंक 41 एक प्रति : 5 रुपये
सोमवार 30 जुलाई, 2018 से रविवार 5 अगस्त, 2018
विक्रमी सम्वत् 2075 सृष्टि सम्वत् 1960853119
दयानन्दाब्द : 195 वार्षिक शुल्क : 250 रुपये पृष्ठ 8
फैक्स : 23365959 ई-मेल : aryasabha@yahoo.com
इंटरनेट पर पढ़ें – www.thearyasamaj.org/aryasandesh

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 25 से 28 अक्टूबर 2018 दिल्ली कृण्वन्तो विश्वमार्यम्

दक्षिण भारत के राज्यों में अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली का प्रचार

आन्ध्र प्रदेश, तेलंगाना एवं कनार्टक में कार्यकताओं की बैठकें

हजारों की संख्या में उपस्थित होंगे तीनों प्रदेशों से आर्यजन - डॉ. धर्मतेजा - सुभाष अष्टिकर

पूर्व-पश्चिम-उत्तर-दक्षिण भारत को एक सूत्र में पिरोने का कार्य करेगा यह आर्य महासम्मेलन

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेल-2018 दिल्ली के प्रचार एवं तैयारियों हेतु आन्ध्र प्रदेश की आर्यसमाजों के अधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं आर्यजनों की बैठक 21 जुलाई को आर्यसमाज गण्टूर के प्रांगण में प्रात: 11बजे आरम्भ हुई। बैठक से पूर्व पं. कृष्णमूर्ति द्वारा बृहद यज्ञ का आयोजन हुआ। बैठक में दिल्ली से भाग लेने पहुंचे सार्वदेशिक सभा के उपमन्त्री एवं दिल्ली सभा के महामन्त्री श्री विनय आर्य जी ने ध्वजारोहण किया। तदुपरान्त आन्ध्र प्रदेश के आर्यजनों ने प्रान्त में वैदिक धर्म के प्रचार एवं अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने पर विचार व्यक्त किए। श्री विनय आर्य जी एवं श्री जोगेन्द्र खट्टर जी ने अपने उद्बोधन में आर्यसमाज की उपलब्धियों एवं गतिविधियों के बारे में जानकारी देते हुए अधिकाधिक संख्या में दिल्ली सम्मेलन में पहुंचने का अनुरोध किया। बैठक में आन्ध्र प्रदेश की विभिन्न आर्यसमाजों एवं आर्य संस्थानों के लगभग 150 महानुभाव उपस्थित थे। *- शेष पृष्ठ 5 पर*

4 दिवसीय महासम्मेलन में योगी आदित्य नाथ जी को दिया आमन्त्रण

पधारने की सैद्धान्तिक स्वीकृति : निमन्त्रण पत्र, हवनकुण्ड सैट एवं नेपाल सम्मेलन का स्मृति चित्र भेंट

दुनिया में सार्वभौमिक, सार्वजनिक वैदिक संस्कृति के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से दिल्ली में आगामी 25 से 28 अक्टूबर को होने वाले अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन के आयोजक एवं संयोजकों का एक प्रतिनिधि मंडल दिनांक 20 जुलाई की शाम को लखनऊ में मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी से मिला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में आमंत्रित करने के साथ-साथ मुख्यमंत्री को पत्र सहित यज्ञ कुंड एवं वैदिक साहित्य के साथ काठमाण्डू नेपाल के आर्य महासम्मेलन का चित्र भेंट किया तथा वर्तमान में पूरी दुनिया *- शेष पृष्ठ 6 पर*

वैदिक विद्वान, युवा संन्यासी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ जी को हवनकुण्ड का सैट भेंट करते सार्वदेशिक सभा के उपमन्त्री श्री विनय आर्य जी, श्री ओम प्रकाश आर्य जी (बस्ती), श्री वेद प्रकाश आर्य एवं अन्य।

आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तर प्रदेश की अन्तरंग में दिल्ली आर्य महासम्मेलन के लिए निमन्त्रण : हर प्रकार के सहयोग का आश्वासन

सम्बन्धित समाचार एवं चित्र पृष्ठ 4 पर

उत्तर प्रदेश से हजारों की संख्या में पहुंचेंगे आर्यजन - डॉ. धीरज सिंह

सार्वदेशिक आर्य प्रतिधि सभा की अन्तरंग बैठक

रविवार 5 अगस्त प्रात: 11 बजे : आर्यसमाज हनुमान रोड

सार्वदेशिक सभा के समस्त अधिकारियों, अन्तरंग सदस्यों, विशेष आमन्त्रित एवं समस्त प्रान्तीय आर्य प्रतिनिधि सभाओं के प्रधान व मन्त्री महोदयों से निवेदन है कि बैठक में अवश्य ही पधारकर सभा संचालन में सहयोग प्रदान करें। आपके आवास एवं भोजन की व्यवस्था आर्यसमाज की ओर से की गई है।

निवेदक : सुरेशचन्द्र आर्य (प्रधान) प्रकाश आर्य (मन्त्री)

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली-2018 की तैयारी हेतु

समस्त आर्य प्रतिनिधि सभाओं, दिल्ली आस-पास के आर्यसमाजों, आर्य शिक्षण संस्थाओं, सहयोगी संगठनों एवं महासम्मेलन की विभिन्न कार्य व्यवस्था समितियों की सामूहिक वृहद् बैठक

दिनांक : 5 अगस्त, 2018 (रविवार) समय : दोपहर 2:30 बजे

स्थान : रघुमल आर्य कन्या सी. सै. स्कूल, राजाबाजार, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली

समस्त आर्य संस्थाओं के अधिकारी, सदस्य, कर्मठ कार्यकर्ता अधिकाधिक संख्या में भाग लेकर व्यवस्थाओं में सहयोगी बनें

निवेदक

सुरेश चन्द्र आर्य	महाशय धर्मपाल	प्रकाश आर्य	धर्मपाल आर्य
प्रधान	अध्यक्ष	मंत्री	सम्मेलन संयोजक
सा. आर्य प्रतिनिधि सभा	स्वागत समिति	सा. आर्य प्रतिनिधि सभा	प्रधान, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा
+91 9824072509	+91 11 25937987	+91 9826655117	+91 9810061763

- शेष पृष्ठ 4 पर

वेद-स्वाध्याय

सत्य का सूर्य

सा मा सत्योक्तिः परि पातु विश्वतो द्यावा च यत्र ततनन्नहानि च।
विश्वमन्यन्नि विशते यदेजति विश्वाहापो विश्वाहोदेति सूर्यः।। -ऋ. 10/37/2
ऋषिः **अभितपाः सौर्याः।।** देवता - **सूर्यः।।** छन्दः **निचृज्जगती।।**

शब्दार्थ- **यत्र** = जिस (सत्य-प्रकाश) में **द्यावा च** = द्युलोक भी **अहानि च** = और सब दिन भी **ततनन्** = विस्तृत हुए हैं, विस्तार को प्राप्त हुए हैं, **सा** = वह **सत्योक्तिः** = सत्यभाषण का व्रत **मा** = मुझे, मेरी **विश्वतः** = सब ओर से **परिपातु** = रक्षा करे। **अन्यत्** = सत्य के अतिरिक्त **विश्वम्** = और सब-कुछ **यत् एजति** = जो हिल रहा है, आकार, बल व जीवनयुक्त दीखता है वह **निविशते** = लीन हो जाता है, मिट जाता है, **विश्वाहा** = सदैव तो **आपः** = व्यापक सत्यनियमों का प्रवाह (चल रहा है) और **विश्वाहा** = सदा तो **सूर्यः उदेति** = सूर्य उदय होता रहा है।

विनय- हे भगवन्! मैं सत्य ही भाषण करने का व्रत ग्रहण करता हूं। यह महाव्रत मेरी रक्षा करे, सब ओर से रक्षा करे। दुनिया तो कहती है कि झूठ के बिना काम नहीं चल सकता, असत्य द्वारा ही बहुत बार रक्षा मिलती है, परन्तु मैं देखता हूं कि एकमात्र रक्षा कर सकने वाले, हे सत्यस्वरूप! तुम ही हो, तुम्हारा सत्य ही है। सत्य वह महान् प्रकाशरूप वस्तु है जिसके प्रकाश से संसार के सब द्युलोक जगमगा रहे हैं और जिसके आंशिक प्रकाश को पाकर ये हमारे दिन अनन्तकाल से प्रकाशित होते आ रहे हैं और अनन्तकाल तक प्रकाशित होते रहेंगे। सत्य प्रकाश है और असत्य अन्धकार है। सत्य सनातन है, असत्य क्षणभंगुर है। भला, अन्धकार हमारी रक्षा कैसे कर सकता है? भंगुर वस्तु का आश्रय हमें कब तक बचा सकता है? जो इसे समझते हैं वे सत्य के कारण आई विपत्तियों को देखकर कभी घबराते नहीं और दीन होकर कभी असत्य का आश्रय नहीं पकड़ते, क्योंकि वे देखते हैं कि सत्य के अतिरिक्त संसार में जो भी कुछ है वह सब विनश्वर है। असत्य चाहे कितना जीता-जागता दीखता हो-चाहे कितने बड़े आकारवाला, चाहे कितना शक्तिशाली, चाहे कितना मूल्यवान् दीखता हो-पर वह सब थोड़ी देर में विलीन हो जाने वाला है, राख हो जानेवाला है, मिट जाने वाला है। सत्य ही अचल है। झूठ-कपट की आलीशान दीखनेवाली विजय भी संसार बेशक होती हैं, पर वह क्षण में चली जाती ओर हमें वहीं-का-वहीं गिराकर छोड़ जाती है। देर तक ईश्वरीय सत्यनियमों को दबाया नहीं जा सकता। घोर-से-घोर रात्रियां आएंगी, पर फिर सूर्योदय होना निश्चित है। सदा प्रकाशमान सूर्य को केवल थोड़ी देर के लिए ही किसी आवरण द्वारा ओझल रखा जा सकता है। तनिक देखो, जो अप्रतिहत रूप से बह रहा है वह तो ईश्वरीय व्यापक सत्यनियमों का प्रवाह ही है और जो प्रतिदिन उदय हो रहा है और असल में सदा उदित रहता है वह (महान् सत्य का, सूर्य ही है।

-: साभार :- वैदिक विनय

वैदिक विनय : यह पुस्तक वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। अपने ज्ञानवर्धन के लिए आज ही अपना आदेश मो. नं. 9540040339 पर प्रेषित करें।

सम्पादकीय

आर्यसमाज द्वारा घोषित 'अंधविश्वास निरोधक वर्ष-2018'

कितना महंगा है भविष्यफल का खेल?

.....देखा जाये तो जब सूचना क्रांति के दौर में भारत ने भी शेष दुनिया के साथ अगली शताब्दी में कदम रखा था तब अचानक से यह बीमारी हमारे समाज में घर कर गयी थी। जहाँ यूरोपीय देश-विज्ञान और टैक्नोलॉजी के माध्यम से अपना भविष्य बनाने में जुटे थे तब हम अपना हाथ ज्योतिषों के हाथ में देकर बैठ गये। .....

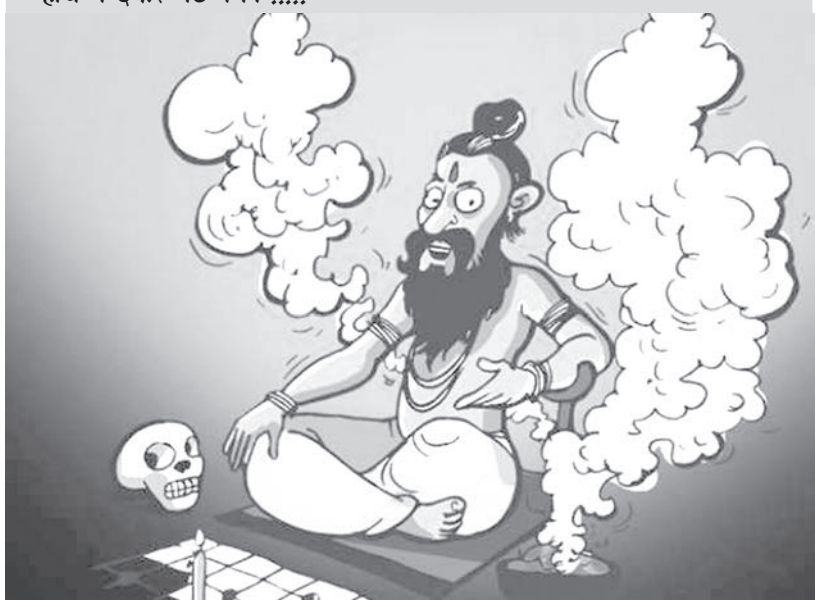

कई दिनों पहले जब इस बात का पता चला तो बड़ा दु:ख हुआ कि कई परिवार शुभ मुहूर्त में बच्चे को जन्म देने के लिए ज्योतिष की गणना का सहारा ले रहे हैं ताकि बच्चे के जन्म ग्रह बदल जाएं और बच्चे का भविष्य सुनहरा बन सके। लोगों की यह सोच बनती जा रही है कि यदि शुभ समय व शुभ ग्रह-नक्षत्रों में बच्चा जन्म लेगा तो वह सौभाग्यशाली होगा। इसके लिए बाकायदा डॉक्टर और ज्योतिष दोनों का सहारा लिया जा रहा है। परन्तु क्या प्रकृति के विरुद्ध जाकर बिना संस्कार और अच्छी शिक्षा के कोई सौभाग्यशाली हो सकता है? आखिर हमारे समाज में अचानक ये सब विसंगतियां कैसे उभरकर आई क्योंकि बहुत पहले तक कहीं इक्का-दुक्का शहरों या किसी गांवों में छोटे-मोटे पंडित थे वे अपने पोथी-पत्रों आदि से भोले-भाले लोगों को बेवकूफ बनाकर अपना उल्लू सीधा कर लिया करते थे किन्तु आज तो बड़ा भारी तबका जिसमें पढ़े-लिखे युवा, राजनेता, अभिनेता इनके चरणों में शीश झुकाकर इनके हर एक आदेश का पालन कर रहे हैं।

असल में देखा जाये तो जब सूचना क्रांति के दौर में भारत ने भी शेष दुनिया के साथ अगली शताब्दी में कदम रखा था तब अचानक से यह बीमारी हमारे समाज में घर कर गयी थी। जहाँ यूरोपीय देश-विज्ञान और टैक्नोलॉजी के माध्यम से अपना भविष्य बनाने में जुटे थे तब हम अपना हाथ ज्योतिषों के हाथ में देकर बैठ गये। जब वहां के लोग टी.वी. आदि संचार के माध्यमों से विज्ञान का प्रसारण कर अगली पीढ़ी को ज्ञान और आधुनिकता से जोड़ रहे थे तब भारत को रसातल में पहुँचाने के लिए टी.वी. पर सुबह-सुबह इक्का-दुक्का ज्योतिषियों का आगमन शुरू हो गया था। सूचना क्रांति के इस माहौल में दाती महाराज जैसे लोग आधुनिक भारत की उपज थी जो कैमरे और टी.वी. की भाषा और लोगों की मनोवृति से अच्छी तरह परिचित थे।

धर्म का यह एक ऐसा शार्टकट था कि अन्य बड़े-बड़े चैनल इस बाबा से भविष्य पूछते रह गये बहरहाल देखी-देखी सुबह का एक घंटा ज्योतिष बाबाओं के नाम कर सभी चैनल धर्म की इस बहती धारा में टी.आर.पी. की डुबकी लगाने लगे। बड़े-बड़े उद्योगपति से लेकर राजनेता हो या अभिनेता इनमें रूचि लेते दिखाई दिए तो भला मध्यम वर्ग पाखण्ड की इस खुराक से कहाँ पीछे रहना वाला था। धर्म के सच्चे रक्षक और ज्ञानीजन हैरान थे तो धर्म की झूठी व्याख्या कर अधर्म और पाखण्ड की एक नई अनोखी स्थापना हो रही थी।

फिर भविष्य बताने वालों की इस दौड़ और अंधी कमाई में अचानक से एक और निर्मल बाबा नामक व्यक्ति का दरबार सजने लगा, यहाँ भी टी.वी. पर भी विज्ञापनों से धड़ाधड़ 'कृपा' बरसने लगी, बाबा किसी को कोई बड़ी तपस्या या धार्मिक आचरण की सलाह नहीं देता है बस छुटपुट काम हैं जैसे किस रंग के पर्स में पैसा रखना और अलमारी में दस के नोट की एक गड्डी रखना, लाल चटनी से समोसा खाना, सोमवार को एक दो लीटर दूध चढ़ाना आदि-आदि।

किन्तु ये समोसे और चटनी का रंग पूछना, इतना आसान नहीं था बदले में वहां आने की कीमत 2000 रुपये प्रति व्यक्ति है जो महीनों पहले बैंक के जरिए जमा करानी पड़ती है। दो साल से अधिक उम्र के बच्चे से भी प्रवेश शुल्क लिया जाता है। मान लिया जाये अगर एक समागम में लगभग 20 हजार लोग जमा होते तो उनके द्वारा जमा की गई राशि 4 करोड़ रुपये बैठती है। बाबा की कृपा का तो पता नहीं, कहाँ बरसती है पर लोगों के इस पैसे से बाबा पर बरसी इस कृपा का अंदाजा आप स्वयं लगा सकते हैं। शायद इसी व्यापारवाद के चलते ही कई लोग स्वयंभू बाबा, साधु और संत कुकुरमुत्तों की तरह पैदा होकर टी.वी. चैनलों पर बैठे हैं। अपने अगले पल की जानकारी इन्हें भले ही न हो पर लोगों के भविष्य को आर-पार शीशे की तरह देखने का ऐसा ढोंग रचते है कि इन्सान अपनी जमा पूंजी तक इन्हें सौंप देता है। कहा जाता है जब व्यक्ति धर्म के मार्ग से भटक जाते है तभी ठग लोग बाजार में उतर आते हैं और ये भोली-भाली जनता को भगवान, प्रलय, ग्रह-नक्षत्र और भाग्य से डराकर लुटते हैं।

सूचना क्रांति का फायदा उठाकर देश के प्रमुख समाचार चैनल अपने धंधे के लिए जिस तरह लगातार अंधविश्वास को बढ़ावा दिया और जिस हास्यास्पद और फूहड़ तरीके से ज्योतिष के कार्यक्रमों को परोसा, इससे कौन वाकिफ नहीं है। जब टी.आर.पी. गिरती दिखी तो महिला फैमिली गुरू से भी एंकरिंग करायी। जिसके वक्ष स्थल तक को कम कपड़ों से उघाड़कर परोसा गया, ज्यादातर चैनलों ने अब या तो खूबसूरत स्त्रियों को बतौर ज्योतिषी पेश कर दिया है, या फिर ऐसे बाबाओं को जगह दे दी है, जो अक्सर अजीबो-गरीब मेकअप या अत्यधिक मेकअप में स्क्रीन पर आते हैं। ये दैनिक राशिफल के अलावा परेशान उपभोक्ता को लाइफ मैनेजमेंट की बूटी बेचते हैं। पैसा कमाते हैं। गरीब जब अध्यात्म के नाम पर किसी की शरण में जाता है तो अंध-विश्वास हो जाता है, अमीर जब अध्यात्म के नाम पर किसी की शरण में जाता है तो वह अध्यात्म का कोर्स हो जाता है। हिन्दी चैनलों के इन ज्योतिष कार्यक्रमों के बीच भंयकर प्रतियोगिता बन उठी है। हर कार्यक्रम एक ब्रांड है। हर किसी के पास अपने-अपने बाबा और पाखण्ड हैं। जहां राशिफल की दुनिया की नई नई कैटगरी की खोज कर ली गई है। जो देश कभी ऋषि-मुनियों और वेदों का देश था, ज्ञान और अध्यात्म का देश था, आज वह देश पाखण्ड का देश बनकर रह गया। अब यदि कोई परिवार ऐसे में शुभ मुहूर्त में बच्चे को जन्म देने के लिए ज्योतिष की गणना का सहारा ले रहा है तो हम सिर्फ दु:ख प्रकट कर सकते हैं किन्तु आश्चर्य नहीं। - ***सम्पादकीय***

बेआवाजों की आवाज कौन?

....तलाक पीड़िता निदा कह रही है कि वह ऐसे जाहिलों से वह डरने वाली नहीं है। मैं एक लोकतांत्रिक देश की नागरिक हूं। आम नागरिक की तरह संविधान ने मुझे सारे हक दिए हैं। यह फतवा मेरे संवैधानिक, मानवाधिकारों का हनन है और शरीयत का हवाला देकर समाज को मेरे खिलाफ भड़काने की कोशिश है।.....

शायद ही कभी किसी ने सुना हो कि दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद या उड़ी समेत कई बार देश की आत्मा को चीर देने वाले आतंकी हमलों में शामिल किसी आतंकी के खिलाफ कोई फतवा किसी मुफ्ती ने जारी किया हो? पिछले महीने ही मंदसौर में एक मासूम बच्ची के साथ रेप हुआ लेकिन इस घृणित कार्य के बाद भी अपराधी इमरान के खिलाफ किसी मुफ्ती ने फतवा जारी करने की जेहमत नहीं उठाई। हालाँकि किसी भी अपराध के लिए देश में न्यायालय है, संविधान है, सजा का प्रावधान है किन्तु अन्य मामलों में दखल की तरह आप धार्मिक तौर पर ऐसे अपराधियों के खिलाफ प्रतिक्रिया व्यक्त कर ही सकते हैं।

किन्तु ऐसा कुछ देखने को नहीं मिलता, उल्टा भारतीय संविधान से अपने लिए न्याय मांगने गयी केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी की बहन फरहत नकवी और दूसरी आला हजरत खानदान की बहू निदा खान को शहर इमाम मुफ्ती खुर्शीद आलम ने उन्हें मजहब (इस्लाम) से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। निदा और फरहत दोनों ही तलाक पीड़ित हैं और दोनों ही अलग अलग संस्था चलाती हैं जिसमें वे मुस्लिम महिलाओं के हक की लड़ाई लड़ती हैं। इस वजह से मजहब के ठेकेदार अब इन दोनों महिलाओं की आवाज दबाने की कोशिश कर रहे हैं यानि इस्लामिक कानून के माध्यम से बेआवाजों की आवाज दबाने की कोशिश की जा रही है।

जैसे मध्यकाल में जिसका मुंह उठता था वही मजहब की, अपनी जाति की, कबीले आदि की ठेकेदारी लेकर अपने विरोधियों पर हमला करने चल देता था। इसी तरह पिछले चंद सालों से भारत में मुफ्ती, काजी और इमामों का हाल हो गया है। जिसका मूड होता है, वही दस बीस फतवे किसी भी महिला के खिलाफ जारी कर बैठता है, कभी मजहब का नाम लेकर, कभी खुदा का वास्ता देकर, इनका सबसे आसान शिकार महिलाएं ही बनती दिख रही हैं।

किन्तु तलाक पीड़ित निदा कह रही है कि वह ऐसे जाहिलों से डरने वाली नहीं है। मैं एक लोकतांत्रिक देश की नागरिक हूं। आम नागरिक की तरह संविधान ने मुझे सारे हक दिए हैं। यह फतवा मेरे संवैधानिक, मानवाधिकारों का हनन है और शरीयत का हवाला देकर समाज को मेरे खिलाफ भड़काने की कोशिश है।

कभी यूनानी दार्शनिक डायोजनीज ने कहा था धर्म का अर्थ है अपने आपमें रहना, आत्मचिंतन करना, अपने आपको पहचानना। वास्तविक धर्म हमारे अंदर ही छुपा हुआ है। जिस दिन हमने इस बात को समझ लिया उस दिन धर्म का वास्तविक रूप हम समझ जायेंगे। लेकिन आज के धर्मगुरु ऐसे नहीं हैं अपने मजहब पर दरवाजे लगाकर बैठे हैं किसे अन्दर लेना है, किसे नहीं।

दो साल पहले रमजान का माह था अचानक तसलीमा के ट्वीट से इसी मजहबी दुनिया में भूचाल ला दिया था तसलीमा ने लिखा था कि ऊपर वाला महिलाओं से नफरत करता है, इस दुनिया में महिलाओं से सबसे ज्यादा नफरत करने वाली जाति अल्लाह की है। उसने लिखा था कि अच्छा होगा कि हम महिलाओं से नफरत करने वाले धर्मों को एक साथ छोड़ दें, अगर ऐसा नहीं कर सकते तो कम से कम हमें ऐसे धर्मों के इन नियमों को तो छोड़ ही देना चाहिए जो महिलाओं के खिलाफ हों।

असल में इस्लाम के नाम पर महिलाओं के शोषण और दमन की बात उठनी चाहिए, इसकी जरूरत भी थी। अक्सर पश्चिमी देशों में ऐसे बहुत सारे कथित विद्वान लेखक हैं जो अब तक यही कहते आये हैं कि मुस्लिम देशों में औरतों का शोषण होता ही नहीं-अगर होता भी हो तो उसमें धर्म का हाथ नहीं होता। जबकि साल 2012 में जब सऊदी अरब ने पहली बार ओलंपिक खेलों में महिला एथलीटों को लंदन भेजा था तब कट्टरपंथी मौलवियों ने इन्हें वैश्या कहा था। इसके अलावा सऊदी में कार्यालयों, बैंकों और विश्वविद्यालयों सहित अधिकांश सार्वजनिक भवनों के अलग-अलग लिंगों (पुरुष व महिला) के लिए अलग-अलग प्रवेश है। अगर कोई महिला किसी अन्य पुरुष से बातचीत करती है तो महिला को गंभीर सजा मिलती है। यही नहीं शॉपिंग मॉल में महिलाओं को पुरुषों के साथ कपड़ों की खरीददारी करने पर कई प्रतिबंध लगे हुए हैं। इसके अलावा महिलाएं फैशन पत्रिका को भी नहीं पढ़ सकती हैं। इसके अतिरिक्त भी हर घर में औरतों के दमन के असंख्य उदाहरण मिलेंगे। कई देशों में कानून भी स्त्री-पुरुषों के बीच बराबरी का व्यवहार नहीं करता। वहाँ किसी पुरुष की गवाही औरत की गवाही से ज्यादा विश्वसनीय समझी जाती है। मुस्लिम देशों में नौकरियों में भी औरतों को कई प्रकार के शोषण का शिकार होना पड़ता है।

मुस्लिम विमेंस फोरम की संस्थापिका, सैय्यदा हमीद ने सन् 2000 में बेआवाजों की आवाज नाम की रिपोर्ट लिखी थी। देशभर के 18 राज्यों का भ्रमण करके मुस्लिम महिलाओं की आवाज सुनकर यह रिपोर्ट 17 साल पहले तैयार की थी। इस रिपोर्ट में मुस्लिम महिलाओं की स्थिति का खुलासा किया गया था। महिला आयोग ने यह पाया था कि अन्य महिलाओं की तरह मुस्लिम महिला की भी समस्या अशिक्षा और बेरोजगारी है। उसके साथ उसके अपने निजी कानून उसकी जिंदगी की मुश्किलों को और बढ़ा देते हैं। तीन तलाक बहुविवाह-चार शादियां उस पर नंगी तलवार की तरह लटकती रहती है। इसलिए सैय्यदा हमीद का सुझाव था कि मुस्लिम समुदाय और उसके रहनुमा का कर्त्तव्य है कि वे निजी कानूनों में निजी सुधार लेकर आएं। तब सैय्यदा हमीद ने मुस्लिम समाज को ये चेतावनी दी थी कि अगर उन्होंने अपने घर को अपने आप नहीं संवारा तो उनके निजी कानून में सरकार का दखल जरूरी हो जाएगा और 17 साल बाद यही हुआ। 22 अगस्त 2017 को मुसलमानों के निजी कानून में कोर्ट ने अपना ऐतिहासिक फैसला तीन तलाक पर सुनाया था और हमेशा के लिए इस प्रथा को रद्द कर दिया था और अब सरकार पर यह जिम्मेदारी डाल दी कि संसद में कानून बनाकर इस प्रथा को समाप्त कर दे जिसका अब इंतजार हैं आखिर इन बेआवाजों की आवाज भी तो किसी को सुननी चाहिए।

- राजीव चौधरी

क्रान्तिकारियों की कथा

अमर शहीद राजगुरु

गतांक से आगे -

भगतसिंह और शिव वर्मा फिर सो नहीं पाए। रात का अन्तिम प्रहर राजगुरु की सुरक्षा में बैठे-बैठे बिताया। उनके गोरखपुर आने का मक़सद लगभग पूरा हो ही चुका था, इसलिए दूसरे ही दिन बनारस जाने का फ़ैसला भी कर लिया। एक ज़रूरी काम से वहां जाना भी था।

बनारस जाने वाली गाड़ी में अभी काफ़ी देर थी। तभी भगतसिंह को लगे हाथ अपने एक मित्र हलधर वाजपेयी से मिलने की सनक सवार हुई। वे उन दिनों धर्मशाला बाज़ार के निकट टेकनिकल स्कूल में पढ़ते थे। शिव वर्मा तो राज़ी हो गए चलने के लिए, लेकिन राजगुरु ने साफ़-साफ़ कह दिया, मैं इस चक्कर में नहीं पड़ता। प्लेटफ़ार्म पर पुल के नीचे समय पर मिल जाऊंगा। वहीं आकर ढूंढ लेना।''

राजगुरु को स्टेशन के बाहर छोड कर दोनों टेकनिकल स्कूल की ओर चल दिए। जब डेढ़ घंटे बाद लौटे तो राजगुरु नदारद। न पुल के नीचे मिले, न प्लेटफ़ार्म पर। वेटिंग रूप, बाथरूम सभी देख डाले। कहीं होते तो मिलते।! अन्त में गाड़ी का एक-एक डिब्बा छान मारा, फिर भी कोई नतीजा न निकला। तभी सीटी देकर गाड़ी चल दी। झक मारकर ये दोनों भी ट्रेन में सवार हुए, यह सोचकर कि चुपचाप कहीं बैठ गया होगा, बनारस में तो मिल ही जाएगा। आख़िर जाएगा कहां?

जब बनारस में भी राजगुरु का पता न चला, तब तो दोनों ही बड़े चिन्तित हुए। गोरखपुर से आने वाली दूसरी गाड़ी की बेसब्री से प्रतीक्षा करने लगे।

दूसरे दिन राजगुरु के आगमन पर दोनों की ख़ुशी का ठिकाना न रहा। लेकिन वे तो तैश में भरे थे बरस पड़े बेभाव- 'परदेस में मुझे अकेला छोड़कर चले आए। यह भी न सोचा कि लौटने के लिए पैसे भी हैं मेरे पास या नहीं? देख लूंगा दोनों को!' कहते-कहते कम्बल घसीटा और लम्बी तानकर सो गए। तमाम रात पलकों में जो गुज़री थी।

नींद खुलने पर राजगुरु का गुस्सा शान्त हुआ। दोनों उतावले हो ही रहे थे उनकी दास्तान सुनने के लिए।

- क्रमशः

- धर्मेन्द्र गौड़ : साभार :
क्रान्तिकारी आन्दोलन के अधखुले पन्ने

क्रान्तिकारी आन्दोलन के अधखुले पन्ने : वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। पुस्तक प्राप्त करने के लिए मो. नं. 9540040339 पर सम्पर्क करें।

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन - 2018

ध्यान देने योग्य बातें

1. महासम्मेलन में स्वयं तो आएं साथ में अपने परिवार व बच्चों को भी साथ लावें।
2. अपनी संस्थाओं के आर्यवीर/ आर्य वीरांगनाओं विद्यार्थियों को परिवार सहित साथ लावें।
3. अपने इष्ट-मित्रों, सम्बन्धियों को महासम्मेलन में आने के लिए प्रेरित करें।
4. ऐसे परिवारों को अवश्य आमंत्रित करें जो पहले कभी आर्य समाजी थे पर किन्हीं कारणों वश अब आर्य समाज से सम्बन्ध नहीं रख पा रहे हों।

ओ३म्
भारत में फैले सम्प्रदायों की निष्पक्ष व तार्किक समीक्षा के लिए उत्तम कागज़, मनमोहक जिल्द एवं सुन्दर आकर्षक मुद्रण (द्वितीय संस्करण से मिलान कर शुद्ध प्रामाणिक संस्करण)
सत्य के प्रचारार्थ
सत्यार्थ प्रकाश
सत्य के प्रचारार्थ

● प्रचार संस्करण (अजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 50 रु.	प्रचारार्थ 30 रु.	प्रचारार्थ मूल्य पर कोई कमीशन नहीं
● विशेष संस्करण (सजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 80 रु.	प्रचारार्थ 50 रु.	
● स्थूलाक्षर सजिल्द 20×30÷8	मुद्रित मूल्य 150 रु.		प्रत्येक प्रति पर 20% कमीशन

10 या 10 से अधिक प्रतियाँ लेने पर विशेष अतिरिक्त कमीशन
कृपया, एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें और महर्षि दयानन्द की अनुपम कृति सत्यार्थ प्रकाश के प्रचार प्रसार में सहभागी बनें
आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट
427, मन्दिर वाली गली, नया बांस, दिल्ली-6
Ph. :011-43781191, 09650622778
E-mail : aspt.india@gmail.com

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन
25, 26, 27, 28 अक्टूबर 2018

सम्मेलन स्थल :- स्वर्ण जयंती पार्क, रोहिणी, सैक्टर-10, दिल्ली-85
विश्व शान्ति यज्ञ, योग व तपोनिष्ठ संन्यासियों, वैदिक विद्वानों द्वारा सत्संग
तथा प्रवचन का लाभ उठाने हेतु लाखों की संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनायें।
सम्मेलन कार्यालय : दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-1 दूरभाष : 9540029044
E-mail : aryasabha@yahoo.com, Website : www.aryamahasammelan.org, www.thearyasamaj.org
YouTube : thearyasamaj 9540045898

आर्यसमाज गंज स्टेशन रोड मुरादाबाद में आर्य प्रतिनिधि सभा उ. प्रदेश की अन्तरंग एवं कार्यकर्ताओं की बैठक सम्पन्न

पूरे प्रदेश से हजारों की संख्या में महासम्मेलन में भाग लेने पहुंचेंगे आर्यजन - डॉ. धीरज सिंह

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन की तैयारी के चलते आर्य समाज गंज स्टेशन रोड, मुरादाबाद में पश्चिमी उत्तरप्रदेश में बैठक संम्पन हुई। आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तरप्रदेश के तत्त्वावधान में आयोजित अन्तरंग सभा बैठक में भारी संख्या में आर्यजनों की उपस्थिति के बीच दिल्ली सभा के प्रधान एवं अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन के संयोजक श्री धर्मपाल आर्य ने बैठक को सम्बोधित करते हुए आर्यों के विशाल महाकुंभ में आने का निमंत्रण दिया। इस अवसर पर श्री शिवकुमार मदान उपप्रधान दिल्ली सभा, श्री सत्यानन्द आर्य जी, उप्र प्रतिनिधि सभा, प्रधान डॉ. धीरज सिंह, स्वामी धर्मेश्वरानन्द, मंत्री समेत अनेक आर्य महानुभावों की उपस्थिति रही।

चण्डीगढ़ में महासम्मेलन की प्रचार बैठक सम्पन्न : पूरे दल बल के साथ पहुंचेंगे - अशोक पाल जग्गा, प्रधान

डॉ. वीरेन्द्र अलंकार, डॉ. विक्रम विवेकी, राधाकृष्ण आर्य, रमेशचन्द्र जीवन, डॉ. धर्मवीर बत्रा एवं आचार्य सनतकुमार ने की सफल सम्मेलन की कामना

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन की तैयारी के चलते आर्य समाज सेक्टर 22 चण्डीगढ़ के तत्त्वावधान में बैठक संपन्न हुई। बैठक का संचालन मंत्री मेजर श्री विजय आर्य द्वारा किया गया, सेक्टर 22 चंडीगढ़ में चंडीगढ़, मोहाली, पंचकुला के आर्य महानुभावों के बीच पधारे श्री विनय आर्य ने अपने संबोधन में एक-एक कर बताया कि किस प्रकार समस्त सुविधाओं की व्यवस्था इस बार महा सम्मेलन स्थल पर उपलब्ध रहेगी, बैठक में उपस्थित श्री राधाकृष्ण आर्य जी एवं श्री रमेशचंद्र जीवन ने सार्वदेशिक सभा के पदाधिकारियों की समाज के प्रति समर्पण भावना या उनके द्वारा की जा रही सम्मेलन व्यवस्था की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

बैठक में उपस्थित आचार्य सनत कुमार ने यज्ञ की महिमा का वर्णन किया तथा बताया कि किस प्रकार इस महासम्मेलन में एकरूप यज्ञ में हजारों की संख्या में लोग उपस्थित होकर एक साथ एक स्थान पर यज्ञ करेंगे। आर्य समाज सेक्टर 22 चंडीगढ़ के प्रधान श्री अशोकपाल जग्गा ने अपने उद्बोधन में हर्ष और उत्साह के साथ कहा कि चंडीगढ़ से आर्यजन पूरे दल-बल के साथ चंडीगढ़ से दिल्ली 25 से 28 अक्टूबर 2018 को अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में पहुंचेंगे। इस अवसर पर दिल्ली सभा महामंत्री श्री विनय आर्य, आचार्य सनत कुमार, श्री धर्मवीर बत्रा प्रधान, आर्य समाज सेक्टर 9 पंचकुला, मेजर विजय आर्य, मंत्री आर्य समाज सेक्टर 22, श्री प्रेमचंद गुप्ता मंत्री, सतपाल हरीश प्रचार मंत्री, ईश्वर कुमार मीडिया प्रभारी के साथ-साथ पंजाब विश्वविद्यालय से डॉ. वीरेन्द्र अलंकार एवं डॉ. विक्रम विवेकी तथा मोहाली, पंचकुला चंडीगढ़ से भारी संख्या में आर्य विद्वान, आर्य महानुभाव एवं माताएं-बहनें उपस्थित रहीं तथा आर्य महासम्मेलन में भारी संख्या में पहुँचने का संकल्प लिया।

- मेजर विजय आर्य, मन्त्री

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में एकरूपीय यज्ञ की तैयारी : हजारों लोग करेंगे एक साथ यज्ञ

अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में विशाल यज्ञ प्रदर्शन की तैयारी हेतु रघुमल आर्य कन्या सीनियर सेकेंड्री हाई स्कूल राजा बाजार नई दिल्ली के तत्वाधान में यज्ञ शिविर सम्पन्न हुआ। आयोजित शिविर में दिल्ली सभा द्वारा चलाए जा रहे प्रकल्प घर-घर यज्ञ हर घर यज्ञ के प्रचारक श्री सत्य प्रकाश जी के सानिध्य में स्कूल की अध्यापिका और सभी क्लास वर्गों की छात्राओं ने शिविर में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

वैदिक विद्वान, युवा संन्यासी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ जी को अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन नेपाल का स्मृति चित्र भेंट करते सार्वदेशिक सभा के उपमन्त्री श्री विनय आर्य जी, श्री ओम प्रकाश आर्य जी (बस्ती), श्री वेद प्रकाश आर्य एवं अन्य।

प्रचार एवं तैयारियों के लिए प्रान्तीय स्तर पर आयोजित आगामी बैठकें

केरल में सम्मेलन प्रचार हेतु कार्यकर्ताओं की बैठक

9 अगस्त, 2018 सायं 4 बजे
त्रिवेन्द्रम (केरल)

10 अगस्त, 2018 प्रात: 9 बजे
कालीकट (केरल)

निवेदक : आचार्य एम. राजेश, डॉ. विवेक शिनॉय
कश्यप वेद रिसर्च फाउंडेशन, कोझीकोड (केरल)

आर्य प्रतिनिधि सभा बिहार के कार्यकर्ताओं की बैठक

12 अगस्त, 2018 प्रात: 10 बजे
स्वामी मुनीश्वरानन्द भवन, नया टोला पटना (बिहार)

निवेदक : संजीव चौरसिया, प्रधान | डॉ. व्यासनन्दन शास्त्री, मन्त्री | सत्यदेव प्रसाद, कोषाध्यक्ष

प्रान्तीय स्तर पर ही नहीं क्षेत्रीय स्तर पर भी हो रहा है प्रचार

उज्जैन एवं इन्दौर में क्षेत्रीय स्तरों पर निकाली जा रही हैं प्रचार यात्राएं

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के संयुक्त तत्वाधान में भारत की राजधानी दिल्ली में स्वर्ण जयंती पार्क रोहिणी सेक्टर 10 में विश्व भर के आर्यो का महाकुंभ अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली 25 से 28 अक्टूबर 2018 को होने जा रहा है। इस महाकुंभ के प्रचार-प्रसार हेतु मध्य भारतीय आर्य प्रतिनिधि सभा भोपाल के प्रधान इंद्र प्रकाश गांधी, महामंत्री प्रकाश आर्य के सानिध्य में दिनांक 11 जुलाई 2018 से यात्रा निकाली गई। यात्रा में उप प्रधान आर्य प्रतिनिधि सभा गोविन्दराम आर्य, डॉ दक्षदेव गोड, उज्जैन संभाग के प्रधान लक्ष्मीनारायण जी पाटीदार वेद प्रकाश जी आर्य , दरबार सिंह आदि आर्य प्रतिनिधि सभा के पदाधिकारी गण थे। यात्रा जिला आगर, बडोद, जिला शाजापुर होकर उज्जैन खाचरोद, नीमच, मंदसौर, रतलाम, कान्हड़, बुड़ा पिपलिया मंडी, सेलाना, गाजनोद जिला धार, देपालपुर, सुन्द्रेल, कुआं जिला खरगोन, जिला बड़वानी, कसरावद, मुलठान, त्रन्द्रा, आदि अनेक स्थानों पर पहुंची। इस यात्रा में रात्रि 11:00 बजे तक यात्रा का स्वागत करने के लिए आर्य बंधु यात्रा की प्रतीक्षा में जागते रहे। लोगों में अंतरराष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में आने हेतु अपार उत्साह देखा गया। यात्रा का स्वागत लाखन सिंह, महेश जी, भेरु सिंह आर्य, रमेश पुरी, सोम प्रकाश, अंकित आर्य, मनिन्द्र व्यास, कन्हैया, देवचंद्रजी, दिलीप आर्य, बंशीलाल आर्य, राम भगत, भगत सिंह, सेवासिंह आर्य, डालूराम आर्य, भगवान, बद्रीलाल आर्य, वेद प्रकाश जी आर्य, गंगाधर, राजेंद्र बाबू , सुनील जी, विश्वनाथ प्रकाश आर्य, मोहनलाल पाटीदार, डोगरलाल, राजेंद्र आर्य, भगवान, बनवारी लाल, रमेश यादव, अनेक आर्य लोग थे। यात्रा निरंतर चल रही है।- ***गोविन्दराम आर्य, उप प्रधान***

प्रान्तीय आर्य महिला सभा दिल्ली राज्य की बैठक सफलता पूर्वक सम्पन्न

हर प्रकार की जिम्ममेदारी के लिए सभी आर्य बहनें तैयार : पूर्ण ऊर्जा और जोश के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर करेंगी कार्य - प्रकाश कथूरिया

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन की तैयारी के उपलक्ष्य में प्रान्तीय आर्य महिला सभा दिल्ली राज्य (पंजी.) की बैठक दिनांक 21 जुलाई 2018 को आर्य समाज हनुमान रोड में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता श्रीमती प्रकाश कथूरिया प्रधाना प्रा. आ. म. स. ने की। दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा प्रधान श्री धर्मपाल आर्य ने अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की तथा सबसे अनुरोध किया कि आप सब दिल्ली में होने वाले महासम्मेलन में तन-मन व धन से सहयोग करें। विभिन्न समाजों से आयी बहनों ने अत्यन्त उत्साह पूर्वक बैठक में भाग लिया। प्रान्तीय आर्य महिला सभा की सभी अधिकारी बहनें सर्वश्रीमती कृष्णा ठकुराल, कृष्णा चड्डा, सुषमा सेठ, ऊषा किरन कथूरिया, मृदुला चौहान, शकुंतला नांगिया, आदर्श सहगल, वीना आर्या, विभा आर्य, चन्द्र प्रभा अरोड़ा एवं अधिकतर समाजों की सभी सम्मानित व प्रतिष्ठित बहनें उपस्थित रहीं। सभी ने महासम्मेलन में बढ़-चढ़कर भाग लेने का संकल्प लिया। - ***महामन्त्रीणी***

आन्ध्र प्रदेश, तेलंगाना एवं कनार्टक में .....

कर्नाटक के आर्यजनों एवं आर्य संस्थाओं के अधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की बैठक दिनांक 22 जुलाई, 2018 को सायं 3 बजे आर्यसमाज हुमनाबाद, जिला बीदर में कनार्टक सभा के प्रधान श्री सुभाष अष्टिकर जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। दिल्ली से सार्वदेशिक सभा के उपमन्त्री एवं दिल्ली सभा के महामन्त्री श्री विनय आर्य एवं श्री जोगेन्द्र खट्टर जी बैठक लेने और आर्यजनों को आमन्त्रित करने हेतु पहुंचे।

आर्यसमाज हुमनाबाद का हॉल कार्यकर्ताओं से भरा था। कार्यकर्ताओं का उत्साह देखने योग्य था। श्री सुभाष अष्टिकर जी ने बताया कि कनार्टक से लगभग 1000 आर्यजन समारोह में पहंचेंगे सम्पूर्ण व्यवस्थाओं में तन-मन-धन से सहयोग प्रदान करेंगे। कर्नाटक सभा के अधिकारी एवं सार्वदेशिक सभा के उप प्रधान डॉ. राधाकृष्ण वर्मा जी ने कहा कि यह महासम्मेलन सम्पूर्ण भारत को पूर्व-पश्चिम-उत्तर-दक्षिण की संस्कृति को एक सूत्र में पिरो सकेगा। - ***वासुदेव राव, मन्त्री***

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेल-2018 दिल्ली के प्रचार एवं तैयारियों के सन्दर्भ में तेलंगाना राज्य के हैदराबाद स्थित आर्य उन्नत पाठशाला, चांदरघाट के प्रांगण में तेलंगाना की आर्यसमाजों के अधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं आर्यजनों की बैठक 21 जुलाई सायं 11बजे आरम्भ हुई। बैठक में दिल्ली से भाग लेने पहुंचे सार्वदेशिक सभा के उपमन्त्री एवं दिल्ली सभा के महामन्त्री श्री विनय आर्य जी, अखिल भारतीय दयानन्द सेवाश्रम संघ नई दिल्ली के मन्त्री श्री जोगेन्द्र खट्टर ने भाग लेकर तेलंगाना के आर्य जनों को सपरिवार अधिक से अधिक संख्या में अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलजन के अवसर पर दिल्ली पधारने का आह्वान किया। उन्होंने महासम्मेलन के अवसर पर उपलब्ध होने वाली व्यवस्थाओं, सुविधाओं एवं मुख्य आकर्षणों सम्बन्धी पत्रक पढ़कर सुनाते हुए जानकारी दी। बैठक में उपस्थित तेलंगाना के विभिन्न जिलों से पधारे लगभग 200 से अधिक कार्यकर्ताओं को महासम्मेलन की प्रचार सामग्री का विरण किया। बैठक में आचार्य आनन्द प्रकाश जी, आचार्य भवभूति जी, आचार्य ओम प्रकाश जी, आचार्या नीरजा जी आदि उपस्थित थे। बैठक में उपरान्त सभी उपस्थित आर्यजनों के लिए सुन्दर भोजन का उचित प्रबन्ध किया गया था। बैठक की सम्पूर्ण व्यवस्था महासम्मेलन प्रचार समिति तेलंगाना के संयोजक डॉ. धर्मतेजा आर्य ने की।

Veda Prarthana - II Regveda - 15

Dear God, May We Follow Our Vows and Pledges for Success

- **Acharya Gyaneshwarya**

व्रतेन दीक्षामाप्नोति दीक्षयाप्नोति दक्षिणाम्। दक्षिणा श्रद्धामाप्नोति श्रद्धया सत्यमाप्यते।।

- अथर्ववेद 19/30

Vratena dikshamapnoti dikshayapnoti dakshinam. Dakshina shradhamapnoti shradhaya satyamapyate.

- Yajur Veda19:30

This Veda mantra describes progressive steps to reach the ultimate truth and succeed in achieving virtuous goals in life. The first step in sanskrit is called vrat or pratijna (also spelled pratigya) and sankalp. The word vrat means a vow, pratijna means a pledge, and sankalp means a firm resolve or resolute commitment in mind to complete a task. Whether a goal is small or lofty, to complete a task there should be a deep desire and commitment to finish it successfully. One must have a firm resolve that whatever obstacles or deprivations may come in the way, "I will definitely carry out my pledge. Even if I have to stay hungry or thirsty, without completing the task, I will not breathe a sigh of relief". Once a person has such firm resolution, as described above, then he/she at all times in his/her mind remembers the pledge whether sitting, standing, moving, eating, serving others; he/she considers all other works secondary to fulfilling the primary pledge. If the pledge was taken in front of many others, then the resolve becomes even firmer because others remind him/her of fulfilling the pledge. These measures help the person not forget the pledge or slip from completing them.

In the Vedas, many mantras instruct us that human beings should make resolutions to do good deeds because a person who does not make resolutions to follow virtue in life and improve him/herself is subhuman, more like an animal. This is so because animals do not make resolutions to do virtuous deeds, they do not have such rules or traditions among themselves.

A person who has made a firm resolve in his/her mind to progress in any field whether it be improving personal physical health, gaining spiritual knowledge, or working for societal welfare, then for him/her completing the task becomes easier because he/she gives extra effort to succeed. On the other hand, a person who Just dreams about doing good deeds but oes not take a firm resolve and give sufficient effort, for him/her even completing a simple task becomes a great chore. To complete any good task successfully, there are many factors, yet the most important are a firm resolve and commitment to overcome hardships that come along the way. As the person successfully carries out his/her responsibilities with integrity and sincerity then other persons, friends and relatives, seeing a job or task well done, give him/her encouragement, respect, moral support and even financial help if possible. Othe people sometimes even join and personally help to complete or enhance the job. As a result, at a persnal level the individual gains prosperity and from others he/she receives praise, accolades, and honor.

Continuing success and the resulting honor and prosperity help the perrson develop even a deeper commitment, love for the goal, and self-confidence to successfully complete the task especially when if it is a virtuous selfless cause in life.The deeper a person has devotion and commitment to a virtuous cause, the more willing he/she is to work extra hard, stay focused, and move expeditiously because he/she enjoys the work and finds inner fulfillment. The final result is that the person will make gradual progress and succeed in his/her goal. In this manner, one succeeds in life whether one is completing a small or a big job.

Supreme Father You are he Master Keeper of Vows! Please give us inspiration that by Your grace, beginning henceforth whenever we start a new virtuous endeavor, We have a firm resolve to complete our goal even if we encounter obstacles and have to withstand hardships along the way. May we never forget, forgo, or break our commitment and resolve. Please give us continuing encouragement, strength, courage, bravery, knowledge and wisdom so that we do not halfway in our goal get side tracked, halt or lose our resolve. May we continually progress in completing our virtuous goal and only rest after we have been successful.

To Be Continue....

आओ ! संस्कृत सीखें

संस्कृत वाक्य अभ्यासः (61)

गतांक से आगे....

सुर के साथ गाने से आप बहुत ही शीघ्रता से संस्कृत बोलना सीख जाएंगे ।

अहं गच्छामि = मैं जाता हूँ /मैं जाती हूँ
अहं आगच्छामि = मैं आता हूँ /मैं आती हूँ
अहं श्रृणोमि = मैं सुनता हूँ / मैं सुनती हूँ
अहं वदामि = मैं बोलता हूँ / मैं बोलती हूँ
अहं पठामि = मैं पढ़ता हूँ / मैं पढ़ती हूँ
अहं लिखामि=मैं लिखता हूँ/मैं लिखती हूँ
अहं पिबामि = मैं पीता हूँ / मैं पीती हूँ
अहं खादामि = मैं खाता हूँ /मैं खाती हूँ
अहं पश्यामि = मैं देखता हूँ / मैं देखती हूँ
अहं नयामि = मैं ले जाता हूँ/ मैं ले जाती हूँ
अहं इच्छामि = मैं चाहता हूँ /मैं चाहती हूँ
अहं चलामि = मैं चलता हूँ /मैं चलती हूँ
अहं वसामि = मैं रहता हूँ / मैं रहती हूँ
अहं जानामि = मैं जानता हूँ / मैं जानती हूँ
अहं पृच्छामि = मैं पूछता हूँ /मैं पूछती हूँ
अहं पचामि = मैं पकाता हूँ / मैं पकाती हूँ
अहं उपविशामि = मैं बैठता हूँ /मैं बैठती हूँ
अहं ददामि = मैं देता हूँ /मैं देती हूँ
अहं कथयामि = मैं कहता हूँ /मैं कहती हूँ
अहं हसामि = मैं हँसता हूँ / मैं हँसती हूँ
अहं स्मरामि = मैं याद करता/करती हूँ
अहं नृत्यामि = मैं नाचता हूँ / मैं नाचती हूँ
अहं गायामि = मैं गाता हूँ / मैं गाती हूँ
अहं तिष्ठामि = मैं खड़ा हूँ / मैं खड़ी हूँ
अहं क्षिपामि = मैं फेंकता हूँ /मैं फेंकती हूँ
अहं अटामि = मैं घूमता हूँ / मैं घूमती हूँ
अहं भ्रमामि = मैं घूमता हूँ / मैं घूमती हूँ
अहं नमामि = मैं नमन करता/करती हूँ
अहं जीवामि = मैं जीता हूँ / मैं जीती हूँ
अहं यच्छामि = मैं देता हूँ / मैं देती हूँ
अहं धावामि = मैं दौड़ता हूँ / मैं दौड़ती हूँ
अहं प्रक्षालयामि = मैं धोता हूँ / मैं धोती हूँ
अहं रोदिमि = मैं रोता हूँ / मैं रोती हूँ
अहं क्रीड़ामि = मैं खेलता /खेलती हूँ
अहं क्रीणामि = मैं खरीदता /खरीदती हूँ
अहं तरामि = मैं तैरता हूँ /मैं तैरती हूँ
अहं धारयामि = मैं पहनता /पहनती हूँ
अहं बिभेमि = मैं डरता हूँ / मैं डरती हूँ
अहं अस्मि = मैं हूँ/मैं हूँ

वर्तमान काल में 'अहं'= मैं क्या करता हूँ , यह बोलने के लिए दैनंदिन व्यवहार में ऊपर दी गयी क्रियाएँ प्रारम्भ में पर्याप्त हैं। (प्रारम्भ में परस्मैपदी क्रियाओं का ही अभ्यास उचित है)

- आचार्य सन्दीप कुमार उपाध्याय, **मो. 9899875130**

प्रथम पृष्ठ का शेष

में योग, यज्ञ एवं वैदिक संस्कृति की उपयोगिता की चर्चा की जिस पर मुख्यमंत्री ने सहमति व्यक्त करते हुए कार्यक्रम की तिथियाँ नोट कीं। विनय आर्य, उपमंत्री सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा दिल्ली ने बताया कि इस महासम्मेलन में विश्व के 32 देशों के प्रशासनिक व राजनीतिक प्रतिनिधि सम्मिलित होंगे। इसके अलावा योग ऋषि स्वामी रामदेव सहित देश कई प्रदेशों से राज्यमंत्री, सांसद, विधायक व आम जनप्रतिनिधि भी हिस्सा ले रहे हैं। यह भी कहा कि आज दुनिया में जिस प्रकार जातिवाद, संप्रदायवाद एवं आतंकवाद का जहर फैल रहा है उससे केवल वेद व वैदिक संस्कृति ही निजात दिला सकती है। मनुर्भव:(मनुष्य बनो) का संदेश देने वाले वेद ही सारे संसार को एक सूत्र में पिरो सकते हैं। इसके अलावा ओम प्रकाश आर्य प्रधान आर्य समाज नई बाजार बस्ती ने 27 से 30 नवंबर तक बस्ती में होने वाले आर्य सम्मेलन का न्योता दिया एवं निर्मली कुंड से मेहदावल रोड तक नाली सहित सड़क के पुनर्निर्माण के लिए प्रार्थना पत्र दिया। इस अवसर पर प्रतिनिधि मण्डल में श्री विनय आर्य, ओम प्रकाश आर्य, वेदप्रकाश अग्रवाल व आनन्द श्रीवास्तव शामिल रहे।

- गरुणध्वज पाण्डेय

प्रेरक प्रसंग

पाप कर्म करने के धार्मिक दिन

24 दिसम्बर से 27 दिसम्बर 1924 ई. को सनातन धर्म सभा भटिण्डा का वार्षिकोत्सव था। बार-बार आर्य सिद्धान्तों के बारे में अनर्गल प्रलाप किया गया। शंका-समाधान के लिए विज्ञापन में ही सबको आमन्त्रण था। पण्डित श्री मनसा रामजी शंका करने पहुँचे तो पौराणिक घबरा गये। पण्डित श्री मनसारामजी के प्रश्नों से पुराणों की पोल खुल गई। चार प्रश्नों में से एक यह था कि पौराणिक ग्रन्थों में मांस-भक्षण का औचित्य क्यों है? उत्सव के पश्चात् पौराणिकों ने पं. गिरधर शर्माजी को फिर बुलाया। आपने कहा मांसभक्षण का विधान इसलिए है कि अभक्ष्य का भक्षण करनेवाला विशेष दिनों में ही मांस खाए, इसपर पण्डित मनसारामजी ने कहा यदि यह पाप कर्मो की धार्मिक विधि है तो फिर मनुस्मृति में मांस-भक्षण के लिए दण्ड क्यों?

- प्रा. राजेन्द्र जिज्ञासु

साभार :

तड़पवाले, तड़पाती जिनकी कहानी

तड़पवाले, तड़पाती जिनकी कहानी **: पुस्तक वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। पुस्तक प्राप्ति हेतु आज ही अपना आदेश मो. नं. 9540040339 पर प्रेषित करें।**

निर्वाचन समाचार

आर्य समाज इन्द्रपुरी, नई दिल्ली
प्रधान - श्री नरेश वर्मा
मंत्री - डॉ. तुलसी राम दयाल
कोषाध्यक्ष - श्री राज कुमार चांदना

आर्य समाज ग्रेटर कैलाश-1
प्रधान - श्री विजय लखनपाल
मंत्री - श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा
कोषाध्यक्ष - श्री अमर सिंह पहल

आर्य समाज धौलपुर (राज)
प्रधान - डॉ. लाजपति शर्मा
मंत्री - श्री राजू भगत जी
कोषाध्यक्ष - श्री चन्द्रमोहन पैंगोरिया

महिला आर्य समाज धौलपुर (राज)
प्रधाना - श्रीमती मधु डॉ. आर एस गर्ग
मंत्राणी - श्रीमती शारदा आर्य

विद्यार्थी अवार्ड दिवस सम्पन्न

'महर्षि दयानंद शिक्षण संस्थान' के के. एल. महता दयानन्द विद्यालयों ने अपने संस्थापक अध्यक्ष महात्मा कन्हैया लाल महता का जन्मदिवस 'विद्यार्थी अवार्ड दिवस' के रूप में अत्यन्त हर्षोल्लास से मनाया। के.एल. महता दयानंद महिला महाविद्यालय के सभागार में आयोजित इस समारोह में विद्यार्थियों ने नमन और आभार प्रकट करे हुए महात्मा कन्हैया लाल महता जी के प्रति गीत प्रस्तुत किये। डॉ. ओम प्रकाश जी ने महता जी को आर्य समाज का दीवाना कहा। मुख्य अतिथि फरीदाबाद विद्यालय की श्रीमती त्रिखा ने अपने विचार प्रकट किये। उपाध्यक्ष श्री आनन्द महता ने आभार प्रकट किया।

- प्रधानाचार्या

पृष्ठ 4 का शेष
पृष्ठ 4 का शेष
पृष्ठ 5 का शेष

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018
25-26-27-28 अक्टूबर 2018 (दिल्ली)
महर्षि दयानन्द नगर, स्वर्णजयन्ती पार्क, सै.-10, रोहिणी, दिल्ली (भारत)
स्टॉल आवंटन हेतु आवेदन पत्र

संस्थान का नाम : .....
पूरा पता : .....
.....
दूरभाष/चलभाष: .....ई-मेल : .....
स्टॉलों की संख्या : .....
भुगतान का विवरण : .....
संस्थान प्रमुख का नाम : .....
दूरभाष/चलभाष : .....ई-मेल : .....
प्रतिनिधियों के नाम : .....
दूरभाष/चलभाष : .....ई-मेल : .....
बैनर पर मुद्रण हेतु नाम : .....
आप किस श्रेणी में स्टॉल लेना चाहते हैं निशान लगायें :

1. पुस्तकें ☐ 2. हवन सामग्री/यज्ञ पात्र ☐
3. सीडी कैसेट्स ☐ 4. चित्र ☐
5. औषधी ☐ 6. अन्य : .....

आप अपने सामान पर कितने प्रतिशत की छूट देंगे : .....

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 में स्टॉल के नियम

* स्टॉल में केवल वैदिक साहित्य, प्रचार सामग्री, यज्ञ सम्बन्धित सामग्री आदि ही बेची जा सकेगी। अवैदिक साहित्य व प्रचार सामग्री नहीं बेची जायेगी।
* स्टॉल का साईज लगभग 10x10 होगा। एक स्टॉल में 3 टेबल व 2 कुर्सी दी जायेंगी।
* सभी स्टॉल धारक अपना सामान स्टॉल के अन्दर ही रखेंगे। स्टॉल के बाहर न सामान रखेंगे और न ही बेचेंगे। ऑडियो/वीडियो की आवाज कम रखेंगे जिससे कि दूसरे स्टॉल वालों को परेशानी न हो।
* दूसरे के स्टॉल में रखी टेबल आदि को उठाकर अपने स्टॉल में नहीं रखेंगे। अतिरिक्त सामान के लिये डेकोरेटर से सम्पर्क करें।
* आप किस श्रेणी में स्टॉल लेना चाहते हैं निशान अवश्य लगायें।
* स्टॉल का आवंटन समिति के विवेकानुसार होगा। समिति को अधिकार होगा कि वैदिक धर्म के विरुद्ध बेची जा रही सामग्री को जब्त करके स्टॉल खाली करा लिया जाएगा तथा किसी भी तरह का भुगतान वापिस नहीं होगा।
* भुगतान चैक/बैंक ड्रॉफ्ट/RTGS/NEFT/नकद द्वारा कर सकते हैं। चैक वापिस होने पर 500/- अतिरिक्त देना होगा तथा स्टॉल रद्द हो जायेगा।
* स्टॉलों की बुकिंग 25 सितम्बर 2018 को बन्द हो जायेगी। स्टॉल की संख्या सीमित है, बुकिंग पहले फुल हो जाने पर पहले भी बन्द हो सकती है। आवंटित स्टॉल नम्बर 20 अक्टूबर तक बता दिये जायेंगे।
* सम्पूर्ण बाजार की सफाई में अपना स्वैच्छिक सहयोग देंगे।
* प्लास्टिक की थैली पूर्णतया प्रतिबन्धित होगी। उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना व उचित कार्यवाही की जायेगी।
* स्टाल बुकिंग शुल्क 6000/-रुपये है। वैदिक साहित्य प्रकाशकों/प्रचारकों एवं गुरुकुलों के लिए बुकिंग राशि 4000/- रुपये होगी। बुकिंग देने का अन्तिम निर्णय संयोजक समिति का होगा। रसीद कट जाने के बावजूद भी बुकिंग निरस्त की जा सकती है।

हमने स्टॉल हेतु नियम पढ़ लिये हैं तथा इनको पालन करने का वचन देते हैं।

स्थान: ..... ह.(आवेदक) .....
संस्था : .....
दिनांक : ..... पद : .....

कार्यालय प्रयोग हेतु
रसीद संख्या : ..... स्टॉल : .....
भुगतान का विवरण :..... स्टॉल संख्या : .....

सार्वदेशिक सभा एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा आयोजित
अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन - 2018
25-28 अक्तूबर, 2018 : स्वर्ण जयन्ती पार्क, सै.-10, रोहिणी, दिल्ली
मुख्य पंजीकरण फार्म

पंजीकरण संख्या ..... जन्मतिथि:...../...../.....
नाम.....
पिता/पति का नाम .....
मोबाइल .....व्हाट्एप्प.....
फोन (नि.) .....(कार्या.).....
ई-मेल .....
पूरा पता .....
.....
राज्य .....देश .....पिन ☐☐☐☐☐☐
शैक्षिक योग्यता (अन्तिम): .....
व्यवसाय: व्यापार ☐ सेवारत ☐ सेवानिवृत ☐ अन्य ☐
यदि सेवारत हैं तो पद .....
संस्था का नाम-पता.....
.....
सम्बन्धित आर्यसमाज/संस्था का नाम .....
क्या आप भविष्य में सभा द्वारा भेजी गई सभी सूचनाओं के SMS/Whatsapp अपने दिए गए मोबाईल पर प्राप्त करना चाहेंगे? हां ☐ नहीं ☐

दिनांक ..... हस्ताक्षर .....

पंजीकरण संख्या ..... जन्मतिथि:...../...../.....
नाम.....
दिनांक ..... समय .....

(हस्ताक्षर कार्यालय प्रतिनिधि)

शोक समाचार

श्री कृष्ण चन्द्र पाहुजा का निधन

आर्यसमाज प्रशान्त विहार के पूर्व प्रधान श्री कृष्ण चन्द्र पाहुजा जी का 20 जुलाई की प्रात:काल 4 बजे निधन हो गया। उनका अन्तिम संस्कार उसी दिन पंजाबी बाग शमशान घाट पर पूर्ण वैदिक रीति के साथ किया गया। उनकी स्मृति में शान्ति यज्ञ एवं श्रद्धांजलि सभा 22 जुलाइ को बंसल भवन सै.16 रोहिणी में सम्पन्न हुई। वे अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

श्री जयचन्द उपाध्याय जी का निधन

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के कार्यालयाध्यक्ष श्री अशोक कुमार जी के पूज्य चाचाजी श्री जयचन्द उपाध्याय जी का दिनांक 25 जुलाई को लगभग 80 वर्ष की आयु में दिल्ली के जयपुर गोल्डन हस्पताल में निधन हो गया। वे कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। वे अपने पीछे पौत्र-प्रपौत्रों से भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनकी स्मृति में शान्तियज्ञ एवं श्रद्धांजलि सभा उनके निवास स्थान बी-202, नत्थू पुरा गांव में 5 अगस्त को दोपहर 2 बजे आयोजित होगी।

श्री महेन्द्र सिंह जी नहीं रहे

आर्यसमाज हनुमान रोड, नई दिल्ली के धर्माचार्य डॉ. कर्णदेव शास्त्री जी के साले श्री महेन्द्र सिंह जी का दिनांक 25 जुलाई को 53 वर्ष की आयु में हृदयगति रुकने से निधन हो गया। वे अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनकी स्मृति में श्रद्धांजलि सभा 29 जुलाई को लाल मन्दिर बुध विहार रोहिणी में सम्पन्न हुई।

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं आर्यसन्देश परिवार के समस्त अधिकारी एवं कार्यकर्त्ता परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वे दिवंगत आत्माओं को सद्गति एवं शोक-संतप्त परिजनों को इस दारुण दु:ख को सहन करने की शक्ति, सामर्थ्य एवं उनके पदचिह्नों पर चलने की प्रेरणा प्रदान करे। -सम्पादक

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018, दिल्ली

रेल भाडे में 50% छूट : अभी से रेलवे आरक्षण कराएं

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 दिल्ली में भाग लेने हेतु दिल्ली आने वाले सभी आर्य महानुभावों को भारत सरकार की ओर से रेल भाड़े में 50% की छूट प्रदान की गई है। छूट का लाभ लेने वाले महानुभाव अपनी आर्यसमाज/संस्था के लैटर हैड पर पधारने वाले सदस्यों की सूची नाम-पता-आयु-मो. नं. के साथ बनाकर भेजें। सम्मेलन कार्यालय की ओर से तत्काल रेल भाड़ा छूट फार्म कोरियर/स्पीडपोस्ट द्वारा भिजवा दिए जाएंगे। रेलवे भाड़ा छूट प्राप्त करने हेतु निर्देश -

1. एक व्यक्ति के लिए एक फार्म भरा जाएगा। टिकट आने-जाने की एक साथ होगी।
2. दिल्ली से 300 किमी से अधिक की दूरी वाले महानुभावों को ही इस छूट का लाभ प्राप्त हो सकेगा।
3. जिन महानुभावों - वरिष्ठ नागरिकों/ स्वतन्त्रता सेनानियों/दिव्यांगों को पहले से ही रेलवे द्वारा छूट दी जा रही है उन्हें इस छूट का लाभ नहीं हो सकेगा।
4. छूट केवल दूसरे दर्जे/श्यनयान दर्जे के लिए ही प्राप्त की जा सकेगी।

अधिक जानकारी के लिए **श्री सुरेशचन्द्र गुप्ता जी को 9211333188** पर व्हाट्एप्प करें aryasabha@yahoo.com पर ईमेल करें अथवा महासम्मेलन कार्यालय को लिखें अथवा।- ***संयोजक***

सुझाव आमन्त्रित

समस्त सुधी पाठकों, वैदिक विद्वानों, लेखकों, चिन्तकों, आर्यसमाज के हितैषि महानुभावों से अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन को सफल और उपयोगी बनाने के लिए उनके अनुभवों के आधार पर सुझाव आमन्त्रित किए जाते हैं। आपने वर्ष 2012 के उपरान्त तथा इससे भी पूर्व में आयोजित महासम्मेलनों में भाग लिया है। इन सम्मेलनों में आपको कुछ व्यवस्थाएं अच्छी लगी होंगी तथा कुछ में सुधार की अपेक्षा भी की होगी। अत: आपसे निवेदन है कि इस अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन को सफल, ऐतिहसिक, अविस्मरणीय और भव्य बनाने के लिए कृपया अपने सुझाव निम्न पते पर भेजें। आप चाहें तो ईमेल भी कर सकते हैं-

संयोजक, अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन
15, हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001, दूरभाष : 09540029044
Email:aryasabha@yahoo.com; Web:www.aryamahasammelan.org;
www.thearyasamaj.org

चुनाव समाचा

दिल्ली पोस्टल रजि.नं0 डी.एल.(एन.डी.)-11/6071/2018-19-2020
नई दिल्ली पी.एस.ओ. में पोस्ट करने का दिनांक 2-3 अगस्त, 2018
पूर्व भुगतान किए बिना भेजने का लाइसेन्स नं. यू. (सी.) 139/2018-19-2020
आर. एन. नं. 32387/77 प्रकाशन तिथि: बुधवार 1 अगस्त, 2018

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन -2018 दिल्ली

25-26-27-28 अक्टूबर, 2018

भव्य स्मारिका का प्रकाशन

सभी आर्य समाजें व आर्य संस्थाएँ विज्ञापन अवश्य भेजें

यदि आप सम्मेलन के अवसर पर प्रकाशित होने वाली स्मारिका में विज्ञापन रूप में अपनी आर्यसमाज / संस्था की विशेष गतिविधियों का विवरण प्रकाशित करना चाहते है, जिससे आर्यसमाज के इतिहास में आपकी संस्था का नाम अंकित हो। स्मारिका 15 अक्टूबर तक तैयार हो जायेगी और 23×36×8 साईज में प्रकाशित होगी। पूरे पृष्ठ का विज्ञापन साईज 7.5"×10" का एवं आधे पृष्ठ का साईज 7.5"×5" होगा। आप अपना चैक/ड्राफ्ट **"दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा - महासम्मेलन-2018"** के नाम केवल खाते में उक्त पते पर भिजवाकर कृतार्थ करें। विज्ञापन सामग्री एवं डिजाईन हमें 30 सितम्बर 2018 तक अवश्य भिजवा दें। दरें निम्न प्रकार हैं -

(श्वेत श्याम विज्ञापन)		(रंगीन- चार रंगों में विज्ञापन)	
1. चौथाई पृष्ठ	5000/-	4. चौथाई पृष्ठ	7500/-
2. आधा पृष्ठ	7500/-	5. आधा पृष्ठ	12500/-
3. पूरा पृष्ठ	10000/-	5. पूरा पृष्ठ	21000/-

प्रतिष्ठा में,

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन: प्रकाशित स्मारिका हेतु निवेदन

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 के अवसर पर प्रकाशित स्मारिका हेतु वैदिक विद्वानों, लेखकों एवं चिन्तकों से निवेदन है कि आर्य समाज के अनछुए विषयों, समसामयिक विषयों एवं आर्य जगत की महान विभूतियों जिनके कार्यों को आजतक किसी ने नहीं जाना-पहचाना उनकी स्मृतियों को दृष्टिगत रखते हुए लेखों को ए-4 साईज के पेपर पर बाएं साईड में कम से कम 2 इंच का हाशिया छोड़कर स्पष्ट अक्षरों में लिखकर या टाईप कराकर '**स्मारिका सम्पादक**' के नाम '**अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018', 15, हनुमान रोड, नई दिल्ली** -110001' के पते पर या ईमेल aryasabha@yahoo.com पर ईमेल करने की कृपा करें। -**सम्पादक**

स्वामी देवव्रत सरस्वती को 'अध्यात्म मार्तण्ड सम्मान'

आर्य समाज पश्चिम विहार नई दिल्ली के सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम में अध्यात्म पथ (पं.) मासिक पत्रिका के तत्त्वावधान में आर्य जगत के मूर्धन्य संन्यासी, लेखक एवं सार्वदेशिक आर्यवीर दल के प्रधान संचालक स्वामी देवव्रत सरस्वती जी को अध्यात्म एवं मानव कल्याण के क्षेत्र में अभिनन्दनीय योगदान के लिए शाल, प्रशस्ति

पत्र एवं सम्मान राशि भेंट कर अध्यात्म मार्तण्ड सम्मान से विभूषित किया गया। उन्हें यह सम्मान मॉरीशस के उच्चायुक्त माननीय श्री जगदीश्वर गोवरधन जी, सम्पादक आचार्य चन्द्र शेखर शास्त्री एवं अतिथि सम्पादक सुरिन्द्र चौधरी ने विशाल जनसमुदाय के उपस्थिति में प्रदान किया। इस अवसर पर श्री नरेन्द्र चावला (महापौर) श्री धर्मपाल आर्य प्रधान, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, श्री कैलाश सांकला अध्यक्ष वेस्ट जोन, श्री यशपाल आर्य, चेयरमैन शिक्षा समिति, श्री सतीश चड्डा महामंत्री, आर्य केन्द्रीय सभा दिल्ली राज्य आदि अनेक गणमान्य लोग एवं धार्मिक संस्थाआं के पदाधिकारीगण उपस्थित थे। श्री नरेन्द्र आर्य 'सुमन' के भजन, युवाकवि श्री विनय विनम्र ने काव्यपाठ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री भारत भूषण साहनी ने की।

- डॉ. सुन्दरलाल कथूरिया
(साहित्यकार)

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के लिए मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक श्री धर्मपाल आर्य द्वारा हरिहर प्रैस, ए-29/2, नरायणा औद्यो. क्षेत्र-1, नई दिल्ली-28 से मुद्रित एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान रोड, नई दिल्ली-1; फोन : 23360150; 23365959; E-mail : aryasabha@yahoo.com; Web : www.thearyasamaj.org से प्रकाशित
सम्पादक : धर्मपाल आर्य सह सम्पादक : विनय आर्य व्यवस्थापक : शिवकुमार मदान सह व्यवस्थापक : आर्य डॉ० ओमप्रकाश भटनागर, एस. पी. सिंह